कार्यालय प्राचार्य–शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय सहसपुर लोहारा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

सहसपुर लोहारा दिनांक 17.11.2022

प्रति,

प्राचार्य जी,
शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय,
स.लोहारा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

विषयः– एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण करने हेतू बाबत्।

उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि महाविद्यालय एम.ए.(इतिहास विभाग) छात्र एवं छात्राओं को छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक स्थल सिरपुर का शैक्षिक भ्रमण कराना चाहता है। जिससे छात्र–छात्राओं में विषय के प्रति रूचि बनी रहें।

अतः महोदय जी से निवेदन है कि छात्र–छात्राओं व मुझे एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण करने के लिए अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

सधन्यवाद

जावक
पत्र क्रमांक/633(A)/स्थापना/2022 दिनांक 18-11-22

स्वीकृत प्रदान की जाती है।

PRINCIPAL
Govt. College, Sahaspur-Lohara
Distt. Kawardha (C.G.)

Arjun
विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
शास.ग.मा.मु.म.स./लोहारा,
जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

कार्यालय प्राचार्य शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय सहसपुर लोहारा, जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

Website-www.govtcollegeslohara.com,E-mail-govtcollagelohara@gmail.com

सहसपुर लोहारा दिनांक 19.11.2022

//सूचना//

महाविद्यालयीन एम.ए. (इतिहास) के छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.11.2022 (दिन–मंगलवार) समय–08:00 बजे, शैक्षिक भ्रमण के लिए जाना है अतः समस्त छात्र–छात्राएं व प्राध्यापकगण, निर्धारित समय पर महाविद्यालय में अपनी उपस्थिति दर्ज करें।

विभागाध्यक्ष
इतिहास विभाग
शास.ग.मा.मु.म.स. / लोहारा,
जिला–कबीरधाम (छ.ग.)

(21)

Page No.
Date

इतिहास विभाग : शैक्षणिक भ्रमण

आज दिनांक 22-11-2022 को इतिहास परिषद् के नेतृत्व में इतिहास विभाग के छात्र/छात्राओं ने पुरातात्विक स्थल सिरपुर मंदिर का भ्रमण किया। सिरपुर स्थित लक्ष्मण मंदिर भारत में ईंटो से निर्मित मंदिरो में सबसे महत्वपूर्ण है। यह मंदिर पाँचवीं से आठवीं शताब्दी के मध्य दक्षिणकोशल की राजधानी थी। यह स्थल पवित्र महानदी के किनारे पर बसा हुआ है। अभिलेखो में इसे हरि अर्थात् विष्णु मंदिर के रूप में स्थापित बताया गया है। इस मंदिर का निर्माण महान पाण्डुवंशीय शासक हर्षगुप्त की पत्नी एवं महाशिवगुप्त बालार्जुन की माता महारानी वासटा ने अपने पति की स्मृति में कराया था। इस मंदिर का निर्माण पंचरथ संयोजना में हुआ है। यहाँ से प्राप्त अभिलेख की तिथि एवं शैलीगत निर्माण के आधार पर इसकी तिथि लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी स्वीकार किया गया है।

इस शैक्षणिक भ्रमण में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष श्रीमती के. एस. परिहार एवं सहायक प्राध्यापक गोविन्द सिंह ठाकुर के नेतृत्व मे 17 छात्र/छात्राओं ने हिस्सा लिया इनके माध्यम से लक्ष्मण मंदिर एवं सिरपुर के अन्य मंदिरों का छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान किया गया।

विभागाध्यक्ष
श्रीमती के. एस. परिहार
विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग
शा.न.मा.म. महाविद्यालय
स./लोहारा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

PRINCIPAL
Government College
Sahaspur Lonara
Dist.-Kabirdham (C.G.)

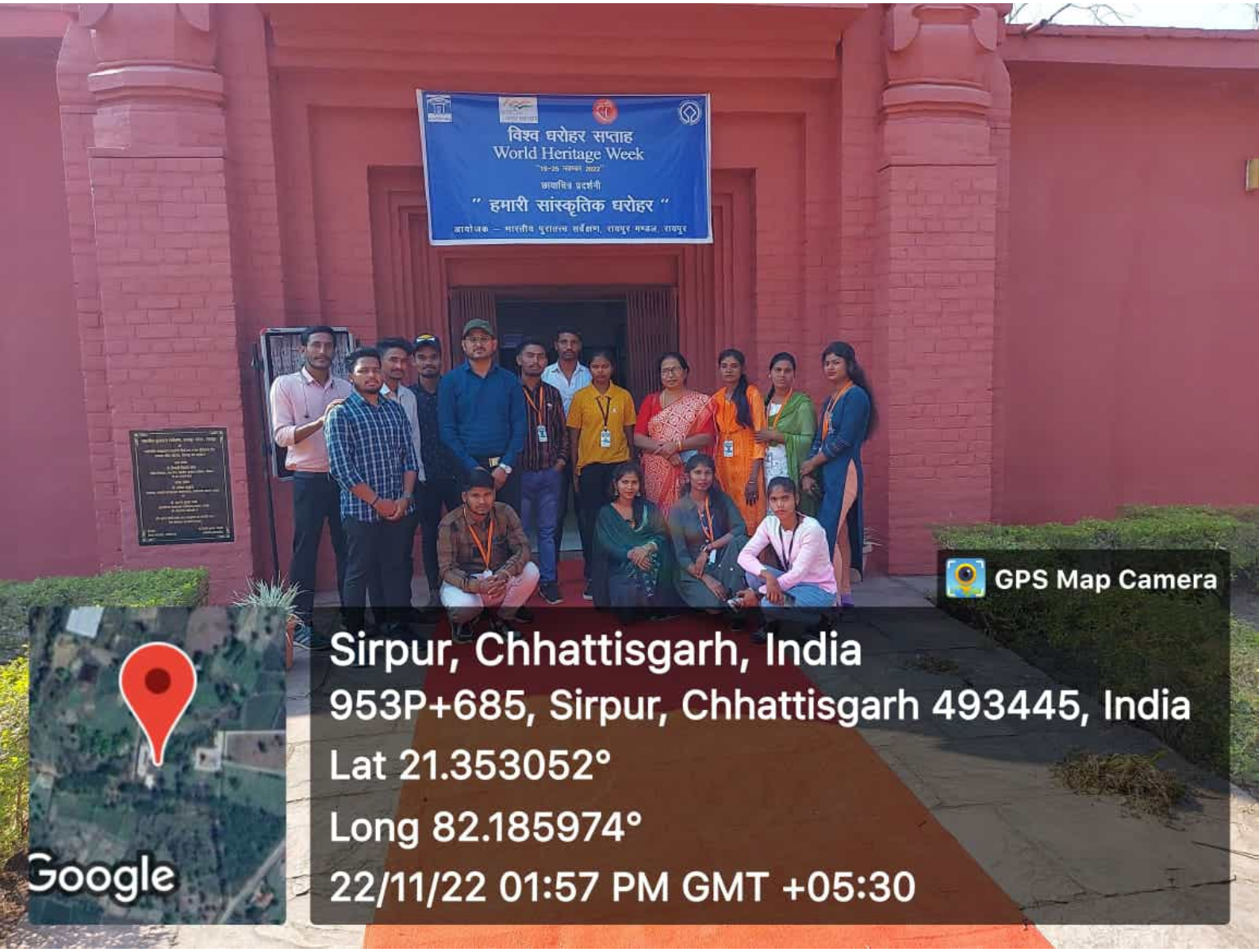
विश्व धरोहर सप्ताह
World Heritage Week
" हमारी सांस्कृतिक धरोहर "
GPS Map Camera
Sirpur, Chhattisgarh, India
953P+685, Sirpur, Chhattisgarh 493445, India
Lat 21.353052°
Long 82.185974°
22/11/22 01:57 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Sirpur, Chhattisgarh, India
953P+685, Sirpur, Chhattisgarh 493445, India
Lat 21.353052°
Long 82.186001°
22/11/22 02:33 PM GMT +05:30

महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने सिरपुर लक्ष्मण मंदिर का किया भ्रमण

सहसपुर लोहारा, 23 नवम्बर (देशबन्धु)। इतिहास के छात्र छात्राओं ने ऐतिहासिक स्थल सिरपुर लक्ष्मण मंदिर का भ्रमण किया गया। एम,ए के पाठ्यक्रम में सिरपुर के बारे में अध्ययन करने को मिलता है उस स्थल पर पहुंचकर बहुत सारा जानकारी शासकीय गजानन माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय इतिहास विषय विभागाध्यक्ष डॉ श्रीमती के एस परिहार एवं गोविंद सिंह ठाकुर सहायक प्राध्यापक जनभागीदारी समिति के द्वारा छात्र छात्राओं को मंदिर और उक्त स्थल से जुड़े इतिहास एवं इसके महत्व के विषय में जानकारी प्रदान की गई । छत्तीसगढ़ राज्य हमेशा से ही अपनी जनजातीय संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है। लेकिन राज्य में कई ऐसे स्थान हैं जो आज भी मुख्यधारा से कहीं में हैं। ऐसा ही एक स्थान है महासमुंद जिले में स्थित सिरपुर, जिसे प्राचीनकाल में श्रीपुर कहा जाता था। पौराणिक भूमि श्रीपुर में कई ऐसे देवस्थानों के अंश मिलते हैं जो कई सदियों पुराने माने जाते हैं। इन्हीं देवस्थानों में से एक है, सिरपुर का लक्ष्मण मंदिर।

इतिहास में दर्ज कई विनाशकारी आपदाओं को झेलने वाला यह मंदिर भारत का पहला लाल ईंटों से बना मंदिर है। साथ ही प्रेम की निशानी छत्तीसगढ़ के इस मंदिर को नारी के मौन प्रेम का साक्षी माना जाता है। ऐतिहासिक जानकारियों के अनुसार 12वीं शताब्दी में सिरपुर में आए विनाशकारी भूकंप ने तत्कालीन श्रीपुर का पूरा वैभव छीन लिया था। इस भूकंप में पूरा श्रीपुर नष्ट हो गया था लेकिन यह लक्ष्मण मंदिर अप्रभावित रहा। उसके बाद 14वीं-15वीं शताब्दी के दौरान महानदी की भयानक बाढ़ ने सिरपुर में तबाही मचा दी थी। इन दोनों विनाशकारी आपदाओं के चलते सिरपुर के अनेकों मंदिर और धर्मस्थल तबाह हो गए लेकिन एक पत्नी के निश्छल प्रेम का यह प्रतीक बिना किसी नुकसान के सदियों से भक्ति और श्रद्धा की कहानी कहता आ रहा है।

इस अवसर पर उपस्थित रहे इतिहास परिषद के अध्यक्ष नीतू राम पटेल ,उपाध्यक्ष दुर्गेश साहू, सह सचिव रितु मरकाम, ललित साहू ,परमानंद साहू, डोमेश जंघेल,एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।